Bihar Board Class 6 Social Science History Notes
Chapter 8 नए प्रश्न, नवीन विचार

पाठ का सारांश

- बुद्ध के अनुसार मनुष्य को चार प्रमुख आर्य सत्यों को हमेशा याद करना चाहिये। ये आर्य सत्य निम्न हैं-
  1. दुःख – बुद्ध जन्म, मृत्यु, रोग, इच्छित वस्तु की प्राप्ति न होना आदि को दुःख माना है।
  2. दुःख का कारण- बुद्ध के अनुसार दुःख का मुख्य कारण तृष्णा (इच्छा) है।
  3. दुःख निरोध – बुद्ध के अनुसार तष्णाओं पर नियंत्रण कर सांसारिक दुःखों को दूर किया जा सकता है।
  4. दुःख निरोधक मार्ग- बुद्ध ने दुःखों को दूर करने का मार्ग भी बताया है जिसे आष्टांगिक मार्ग कहते हैं।
- उपनिषदों का मुख्य विषय कार्मकाण्ड एवं पशबलि की निन्दा तथा आत्मा एवं परमात्मा में एकत्व की स्थापना करना है।
- उपनिषद का संदेश है- ब्रह्म की प्राप्ति. सच्चे ज्ञान से होगी।
- उपनिषदों मे दार्शनिक विषयों पर चर्चाएँ मिलती हैं।
- उपनिषदों में जन्म-मरण की परेशानियों से मुक्त अर्थात मोक्ष ही अन्तिम लक्ष्य निर्धारित किया गया।
- छठी शताब्दी ई० पू० में, जिस समय जनसाधारण में धर्म के प्रति लगाव कम होता जा रहा था तथा तत्कालीन समाज में कर्मकाण्डों की प्रधानता बढ़ती जा रही थी, उपनिषदों की शिक्षा ने नये विचारों के उदय के लिए मार्ग प्रशस्त किया।
- बुद्ध का जन्म आज से लगभग 2500 वर्ष पूर्व (563 ई. पू.) नेपाल की तराई में स्थित कपिलवस्तु के लम्बिनी वन में हुआ था।
- बुद्ध के पिता का नाम शद्धोधन तथा माता का नाम मायादेवी था।
- सिद्धार्थ ने ज्ञान की खोज में छः वर्षों तक तपस्या की। ज्ञान की प्राप्ति के बाद उन्हें बुद्ध कहा जाने लगा और उनके शिष्य बौद्ध कहलाए।
- महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया।
- 80 वर्ष की आयु में 483 ई०पू० में कुशीनगर (गोरखपुर) में उनका देहावसान हुआ।
- बुद्ध ने जात-पात, ऊँच-नीच के भेदभाव तथा धार्मिक जटिलता को 'गलत बताया
- जैन शब्द जिन से बना हैं जिसका अर्थ है विजेता अर्थात इन्द्रियों पर नियंत्रण प्राप्त करने वाला।
- जैन धर्म में कुल 26 तीर्थंकरों के होने की बात कही जाती है।
- महावीर का मूल नाम वर्द्धमान था।
- वर्द्धमान का जन्म 540 ई०पू० वैशाली के निकट कुंडग्राम में हुआ था।
- 72 वर्ष की उम्र में 468 ई०पू० में, उन्होंने पावापुरी में निर्वाण (निधन) प्राप्त किया।

https://www.evidyarthi.in/